

中國書畫名家名跡

马延岳 徐正 编著

書

山东美术出版社

序

薛永年

少年时代，因为喜爱中国书画，经常学着齐白石的虾和蟹，信笔涂鸦，也不注意怎么签名署款，后来，有机会去参观齐白石遗作展，仔细观赏他不同时期的作品，在比图片大得多的挂轴前，我才发现齐白石的签名有许多不同，有的写“齐璜”，有的写“蘋生”，有的写“三百石印富翁”，有的写“杏子坞老民”，更多则书写“白石”或“白石老人”。我才知道，中国书画家除了姓名以外，还有表字与别号，别号还不止一个，或者与家乡有关，或者与好尚相连，其中很有些学问呢！

稍长，我进入中央美术学院美术史系攻读，在阅读古代书画史资料中，又发现，几乎每一个人都有一大串别号。像石涛、八大那样著名的书画家，别号多得不可胜计。别人在文章中提到书画家，极少直书其名，不是称呼他的表字，就是称呼他们的别号，久而久之，甚至忽略了石涛的俗名是朱若极，曾名是原济，也忽略了八大的俗名是朱统鳌。对于已故的书画家，后人为了表示尊敬，有时在姓下加上他的官职和谥号，而不言其姓名，比如王羲之称为王右军，王维称为王右丞，董源称为董北苑，苏轼称为苏文忠，赵孟頫称为赵文敏，戴熙称为戴文节，等等。学习中国书画的人，要是不记住这些名号、官职、谥号，甚至籍贯、郡望，在翻阅文献

的时候就莫知所指，在看画时也弄不清作者究竟姓甚名谁。

一个偶然的机会，我见到了陈乃乾的《室名别号索引》，这是一本很有用的工具书，按笔画可以查出不少古代书画家的别号与室名。没事的时候我就翻一翻，增长了不少知识。可是，我又不很满足，因为此书收入的书画家有限，觉得不够用。为此，我很希望有一本书画家名号索引问世。后来，果然有了《历代书画篆刻家字号索引》。那时，我已在博物馆工作，只要遇到不详所指的名号，就去查阅，既省时间，又解决了问题。

但是，我还觉得不满足。一是这部书没有书画篆刻家的传略，虽便于检索，却无法阅读；二是对别号的含义没有说明，读者只能知其然，而不知其所以然。我在深入学习美术史的过程中获知，书画家自取别号，往往事出有因。比如，唐寅自号江南第一风流才子，是因为他中过南京解元，后来因科场案无法步入仕途了，便取这么个字号安慰自己。又比如，华岳自号新罗山人，是因为他老家上杭古为新罗地，他流落异乡之后，为了不忘桑梓，便取号表示永久的怀念。再比如，金农自号心出家盦粥饭僧，是因为他并未真正出家，但为了卖画谋生却不断寄居古寺，过着和尚一样的简朴生活，取这么个别号未免带着点自嘲的意味。又比如，吴昌硕自号缶庐，是因为他得到了一件古陶器，为了纪念自己的幸得所好，表示艺术追求的返朴归真，便以缶庐作为画室的名称，进而又成了他的别号之一。我想，中国书画家的别号既然有如此丰富的内容，与他们的生平志趣如此息息相关，如果有一本书逐一加以解释，再附上书画家的有据可查的传略，岂不是介绍中国文化史和美术史特色之一的普及与提高相结合的著述

吗？如今，教授美术史的马延岳同志和他的友人中国画家徐正，恰恰编出了这么一本书来，对此，我是十分欣慰的。

马延岳同志毕业于山东曲阜师范大学艺术系，留校任教后，又被派赴南京艺术学院进修，在刘汝醴教授的指导下钻研西方美术史。由于刘先生学贯中西，课徒严格，马延岳也在治学上受到影响，一是踏踏实实地积累资料，一张一张地记录卡片，不断丰富自己的美术史论学养；二是在钻研西方美术史的同时，兼攻中国美术史。如众所知，南艺的美术史论的学风在俞剑华先生的影响下独具特点，教授们不但著书立说，而且十分重视文献资料的整理纂辑与美术目录学的著述。马延岳到南艺进修时，俞剑华虽已去世，但温肇桐先生仍致力于美术目录学。在这种良好的学习环境中，他也养成了治学从编制目录索引入手的基本功。惟其如此，他回到曲阜之后，愉快地承担了《中国古今书名索引》的绘画论著部分。为了完成这部书稿的有关部分，他阅读了大量资料，也萌发了编写《中国书画家名号》的念头。他说，在中国从事外国美术史的教学与研究，基础仍然是中国美术史，忽略了这一点，不但外国美术史讲不深入，也难以在基础研究工作中提高能力，增强才干。作为青年国画家的徐正，也清楚地认识到绘画创作实践离不开理论知识的补充，诸如美术的史与论，乃至诗词歌赋对绘画实践都具有不可忽视的推动作用，即“功夫在画外”。正是基于对基础理论研究的重要性的共同认识，他们编出一本这样的书，既交代中国书画家的名号与传略，又对名号的由来加以释析，这不但是个人积学以致远的必要步骤，还可以便于研究者的查阅检索和满足普通读者的求知欲望。还没有到北京深造之前，他们已经抓紧一切时

间付诸行动了。

来到中央美院后，两人一个在美术史系，一个在国画系。在繁忙的学习中，他们总是利用休息时间，学用结合地继续这一工作，一方面博览群书，分头过录第一手资料，务求持之有故，同时又虚心请教诸师，修订凡例，力求尽善尽美。半年之中，数易其稿，至今已接近竣工了。

看到这部接近完成的书稿，立即使我想起他们课余著书的情景，每当夜阑人静以及节电的周日之夜，他们或在课堂里俯案疾书，或在光焰如豆的烛火前提笔沉吟。这种艰苦治学的精神，半年如一日的毅力，着实令人感佩！马延岳与徐正刚刚步入中年，却能学兼中西，注重理论与实践的结合，编写知识性趣味性的读物又能像对待学术著作一样讲求版本，尽量运用第一手资料，并标明出处，这种严肃的治学态度，比起前些年迷恋于“西潮”的大而无当的出版物来，又何止天壤之别。如果马延岳、徐正两同志能够沿着这样的治学路数走下去，在注意文献整理编纂的同时，能依赖自己日渐丰富的广博而又扎实的中外美术史根底，在融汇贯通中，结合山东地区的文献与遗迹进行些专题研究，我想，他们一定能做出更加引人注目的成绩。在这篇旨在介绍作者和本书的序言中，我愿意写下这点希望。

1992年1月22日于中央美术学院

目 录

| | | | |
|------|---|------|----|
| 张 芝 | 1 | 桓 玄 | 7 |
| 张有道 | 1 | 灵 宝 | 7 |
| 蔡邕 | 1 | 谢灵运 | 8 |
| 蔡中郎 | 1 | 谢康乐 | 8 |
| 钟繇 | 2 | 客 儿 | 8 |
| 钟太傅 | 2 | 陶弘景 | 8 |
| 曹 植 | 2 | 华阳陶隐 | 8 |
| 陈思王 | 2 | 山中宰相 | 9 |
| 嵇 康 | 3 | 袁 昂 | 10 |
| 嵇中散 | 3 | 袁 昂 | 10 |
| 嵇 | 4 | 刘慧斐 | 10 |
| 山阳旧居 | 4 | 离垢先生 | 10 |
| 王 黜 | 5 | 智 永 | 11 |
| 王平南 | 5 | 退笔塚 | 11 |
| 王 濮 | 5 | 尉迟乙僧 | 11 |
| 王长史 | 5 | 小尉迟 | 11 |
| 许 迈 | 5 | 李 絗 | 12 |
| 远 游 | 6 | 江都王 | 12 |
| 王羲之 | 6 | 薛 稷 | 12 |
| 王右军 | 6 | 薛少保 | 12 |
| 王献之 | 7 | 李思训 | 13 |
| 王大令 | 7 | 大李将军 | 13 |

| | | | |
|------|----|------|----|
| 李昭道 | 14 | 怀 素 | 22 |
| 小李将军 | 14 | 笔 家 | 22 |
| 司马承桢 | 14 | 绿 天 | 22 |
| 真一先生 | 14 | 王 治 | 23 |
| 贺知章 | 15 | 王 墨 | 23 |
| 四明狂客 | 15 | 张志和 | 23 |
| 李 嵩 | 15 | 烟波钓徒 | 23 |
| 李北海 | 15 | 顾 况 | 24 |
| 张 旭 | 16 | 华阳真逸 | 25 |
| 张 颠 | 16 | 萧 悅 | 25 |
| 卢 鸿 | 16 | 萧协律 | 25 |
| 嵩山隐士 | 16 | 孙 位 | 26 |
| 宁 极 | 17 | 会稽山人 | 26 |
| 曹 霸 | 17 | 孙 遇 | 26 |
| 曹将军 | 18 | 刘禹锡 | 26 |
| 王 维 | 18 | 陋 室 | 26 |
| 王右丞 | 18 | 白居易 | 27 |
| 辋 川 | 19 | 香山居士 | 27 |
| 李 白 | 19 | 贯 休 | 28 |
| 青莲居士 | 20 | 得得和尚 | 28 |
| 谪 仙 | 20 | 禅月大师 | 28 |
| 郑 虔 | 20 | 李 昇 | 29 |
| 郑广文 | 21 | 小李将军 | 29 |
| 裴 宽 | 21 | 司空图 | 29 |
| 碧 鹳雀 | 21 | 耐辱居士 | 30 |
| 颜真卿 | 22 | 荆 浩 | 31 |
| 颜鲁公 | 22 | 洪谷子 | 31 |

| | | | |
|------|----|------|----|
| 李徽之 | 31 | 邢夫子 | 39 |
| 金波处士 | 31 | 丁渭 | 39 |
| 姜道隐 | 32 | 鹤相 | 39 |
| 道 隐 | 32 | 林逋 | 40 |
| 杨凝式 | 32 | 和靖先生 | 40 |
| 癸巳人 | 32 | 梅妻鹤子 | 40 |
| 杨风子 | 32 | 范宽 | 41 |
| 李贊华 | 33 | 宽 | 41 |
| 东丹王 | 33 | 范仲淹 | 41 |
| 贊 华 | 33 | 龙图老子 | 41 |
| 董 源 | 34 | 范履霜 | 41 |
| 董北苑 | 34 | 燕 肃 | 42 |
| 李 煜 | 34 | 燕龙图 | 42 |
| 钟 隐 | 35 | 石延年 | 42 |
| 梅行思 | 35 | 扪虱庵 | 42 |
| 梅家鸡 | 35 | 赵 昌 | 43 |
| 何尊师 | 35 | 写生赵昌 | 43 |
| 何尊师 | 36 | 陈用志 | 43 |
| 刘温叟 | 36 | 小窑陈 | 43 |
| 温 夷 | 36 | 文彦博 | 44 |
| 李 成 | 36 | 东 田 | 44 |
| 李营丘 | 36 | 欧阳修 | 44 |
| 陈 接 | 37 | 醉 翁 | 44 |
| 希夷先生 | 37 | 六一居士 | 45 |
| 种 放 | 38 | 非非堂 | 46 |
| 云溪醉侯 | 38 | 画舫斋 | 46 |
| 邢 敦 | 38 | 平山堂 | 47 |

| | | | |
|------|----|------|----|
| 苏舜钦 | 48 | 雪浪斋 | 60 |
| 沧浪 | 49 | 思无邪斋 | 61 |
| 赵忭 | 50 | 梦斋 | 61 |
| 高斋 | 50 | 张商英 | 63 |
| 邵雍 | 50 | 相公禅 | 63 |
| 安乐先生 | 50 | 黄庭坚 | 63 |
| 周敦颐 | 51 | 山谷道人 | 63 |
| 濂溪先生 | 51 | 涪翁 | 64 |
| 文同 | 52 | 退听堂 | 64 |
| 石室先生 | 52 | 喧寂斋 | 64 |
| 笑笑先生 | 52 | 王诜 | 64 |
| 墨君堂 | 52 | 宝绘堂 | 65 |
| 司马光 | 53 | 李公麟 | 66 |
| 齐物子 | 54 | 龙眠居士 | 66 |
| 独乐 | 54 | 杨杰 | 67 |
| 张载 | 54 | 无为子 | 67 |
| 横渠先生 | 55 | 米芾 | 67 |
| 王安石 | 55 | 鬻熊后人 | 68 |
| 獾郎 | 55 | 海岳外史 | 68 |
| 半山 | 56 | 米颠 | 69 |
| 仲仁 | 56 | 宝晋斋 | 69 |
| 华光长老 | 56 | 贺铸 | 70 |
| 苏轼 | 56 | 庆湖遗老 | 70 |
| 东坡居士 | 56 | 贺梅子 | 70 |
| 西湖长 | 57 | 北宋狂客 | 71 |
| 雪堂 | 57 | 晁补之 | 71 |
| 静常斋 | 60 | 归来子 | 71 |
| | | 张耒 | 72 |

| | | | | | |
|------|-------|----|-------|-------|----|
| 宋 | | 72 | 崇 兰 | | 78 |
| 柯 山 | | 72 | 张九成 | | 79 |
| 鸿 轩 | | 73 | 无垢子 | | 79 |
| 张舜民 | | 73 | 林灵素 | | 80 |
| 浮休居士 | | 73 | 金门羽客 | | 80 |
| 苏 过 | | 73 | 智 融 | | 80 |
| 斜川居士 | | 74 | 老 牛 | | 80 |
| 小 坡 | | 74 | 草庵邢郎中 | | 80 |
| 王安中 | | 74 | 潘良贵 | | 81 |
| 初寮居士 | | 74 | 默成居士 | | 81 |
| 黄伯思 | | 74 | 梵 隆 | | 82 |
| 云林子 | | 75 | 无 住 | | 82 |
| 王庭珪 | | 75 | 刘松年 | | 82 |
| 庐溪真逸 | | 75 | 暗门刘 | | 83 |
| 张 镐 | | 75 | 梁 楷 | | 83 |
| 玉照堂 | | 75 | 梁风子 | | 83 |
| 毕良史 | | 76 | 陆 游 | | 83 |
| 毕偿卖 | | 76 | 放 爪 | | 84 |
| 穷孟尝 | | 76 | 烟 艇 | | 84 |
| 毕骨董 | | 76 | 书 巢 | | 85 |
| 孙 魏 | | 76 | 东 篱 | | 85 |
| 鸿庆居士 | | 77 | 范成大 | | 86 |
| 米友仁 | | 77 | 石湖居士 | | 87 |
| 元 晖 | | 77 | 此山居士 | | 87 |
| 廉 布 | | 77 | 重貂馆 | | 87 |
| 容 斋 | | 77 | 杨万里 | | 88 |
| 江 参 | | 78 | 诚 斋 | | 88 |

| | | | |
|-------|----|------|-----|
| 朱 熹 | 88 | 牧 庵 | 98 |
| 遁 翁 | 88 | 钱 选 | 99 |
| 张孝祥 | 89 | 雪溪翁 | 99 |
| 于 湖 | 89 | 郑思肖 | 99 |
| 敬简堂 | 90 | 所 南 | 99 |
| 楼 钥 | 91 | 温日观 | 100 |
| 攻 懊 | 91 | 温葡萄 | 100 |
| 白 醉 | 91 | 张伯淳 | 101 |
| 姜 夔 | 91 | 养 蒙 | 101 |
| 白石道人 | 92 | 李 衍 | 101 |
| 王庭筠 | 92 | 息 斋 | 101 |
| 黄华山人 | 92 | 熊朋来 | 102 |
| 赵秉文 | 93 | 天慵先生 | 102 |
| 遂初园 | 93 | 王迪简 | 102 |
| 若 芬 | 94 | 戴 隐 | 103 |
| 玉 涧 | 94 | 高克恭 | 104 |
| 耶律楚材 | 94 | 房 山 | 104 |
| 楚 材 | 95 | 白 斑 | 105 |
| 湛然居士 | 95 | 湛 渊 | 105 |
| 谢枋得 | 95 | 刘 因 | 105 |
| 叠 山 | 95 | 静 修 | 106 |
| 周 密 | 96 | 程矩夫 | 106 |
| 弁阳老人 | 96 | 雪 楼 | 106 |
| 华不注山人 | 96 | 吴 澄 | 106 |
| 书种堂 | 97 | 草庐先生 | 107 |
| 献日轩 | 97 | 张 枢 | 107 |
| 姚 燕 | 98 | 林泉民 | 107 |

| | | | |
|-------|-----|------|-----|
| 赵孟頫 | 107 | 天心水面 | 119 |
| 松雪道人 | 108 | 杜本 | 119 |
| 水晶宫道人 | 108 | 清碧先生 | 120 |
| 赵鸥波 | 109 | 张雨 | 120 |
| 天水王孙 | 109 | 句曲外史 | 120 |
| 紫芝亭 | 109 | 郭畀 | 120 |
| 鲜于枢 | 110 | 退思 | 121 |
| 支离叟 | 110 | 快雪斋 | 121 |
| 困学斋 | 110 | 吴镇 | 121 |
| 邓文原 | 112 | 梅花道人 | 121 |
| 素履先生 | 112 | 橡林精舍 | 121 |
| 李倜 | 112 | 张舜咨 | 122 |
| 员峤真逸 | 113 | 辄醉翁 | 122 |
| 拟晋山房 | 113 | 王冕 | 122 |
| 袁桷 | 114 | 梅花屋主 | 123 |
| 清容斋 | 115 | 煮石山房 | 123 |
| 黄公望 | 116 | 浮萍轩 | 123 |
| 公望 | 116 | 竹斋 | 123 |
| 一峰 | 116 | 柯九思 | 124 |
| 静竖 | 116 | 丹邱生 | 124 |
| 大痴 | 116 | 苏大年 | 125 |
| 井西道人 | 117 | 西涧 | 125 |
| 虞集 | 117 | 林屋洞主 | 125 |
| 邵庵先生 | 117 | 陈植 | 126 |
| 道园 | 118 | 慎独叟 | 126 |
| 曹知白 | 118 | 苏天爵 | 126 |
| 常清净 | 118 | 滋溪 | 126 |
| 李洞 | 119 | | |

| | | | |
|------|-----|--------|-----|
| 杨维桢 | 127 | 南 村 | 135 |
| 铁 崖 | 127 | 何 澄 | 135 |
| 铁笛老人 | 127 | 竹鹤老人 | 135 |
| 东维子 | 127 | 方孝孺 | 136 |
| 王都中 | 128 | 正学斋 | 136 |
| 本 斋 | 128 | 逊志斋 | 136 |
| 倪 璞 | 128 | 茹荼斋 | 136 |
| 云 林 | 129 | 王 绚 | 137 |
| 海岳居士 | 129 | 九龙山人 | 137 |
| 清閟阁 | 129 | 沈 遇 | 137 |
| 方从义 | 129 | 臞 樵 | 138 |
| 方 壶 | 130 | 谢 环 | 138 |
| 余 阔 | 130 | 米家船 | 138 |
| 青阳山房 | 130 | 戴 进 | 138 |
| 危 素 | 131 | 竹雪书房 | 139 |
| 云 林 | 131 | 杜 琼 | 139 |
| 说学斋 | 131 | 鹿冠道人 | 139 |
| 舒 顥 | 131 | 沈 周 | 140 |
| 贞素斋 | 132 | 石 田 | 140 |
| 王 蒙 | 132 | 碧梧苍栝之轩 | 140 |
| 黄鹤山樵 | 132 | 陈献章 | 141 |
| 卧云轩 | 133 | 石 斋 | 141 |
| 顾 瑛 | 133 | 白沙先生 | 141 |
| 玉 山 | 133 | 罗 璜 | 141 |
| 钱惟善 | 134 | 冰 玉 | 142 |
| 曲江居士 | 134 | 史 忠 | 142 |
| 陶宗仪 | 134 | 痴 翁 | 143 |

| | | | |
|------|-----|------|-----|
| 程敏政 | 143 | 四友斋 | 150 |
| 董 墉 | 143 | 钱 穀 | 150 |
| 金 琮 | 143 | 罄室子 | 150 |
| 赤松山农 | 144 | 吴孺子 | 151 |
| 郭 讼 | 144 | 破瓢道人 | 151 |
| 清 狂 | 144 | 徐 渭 | 151 |
| 吴 伟 | 144 | 青藤道人 | 151 |
| 小 仙 | 145 | 白麟山人 | 152 |
| 祝允明 | 145 | 一枝堂 | 152 |
| 枝 山 | 145 | 王世贞 | 153 |
| 怀星堂 | 145 | 弇山园 | 153 |
| 唐 寅 | 146 | 安绍芳 | 155 |
| 寅 | 146 | 砚亭居士 | 155 |
| 六 如 | 147 | 汪 簪 | 156 |
| 梦墨亭 | 147 | 海 云 | 156 |
| 文征明 | 147 | 马守真 | 156 |
| 衡 山 | 147 | 湘 兰 | 156 |
| 李梦阳 | 148 | 邢 侗 | 156 |
| 空同子 | 148 | 半舫斋 | 157 |
| 薛 仁 | 148 | 顾正谊 | 157 |
| 半 仙 | 148 | 亭 林 | 158 |
| 盛时泰 | 149 | 顾元庆 | 158 |
| 苍 润 | 149 | 顾家青山 | 158 |
| 李开先 | 149 | 程嘉燧 | 158 |
| 中 麓 | 149 | 松圆诗老 | 159 |
| 焉文字 | 149 | 薛素素 | 159 |
| 何良俊 | 150 | 薛 五 | 159 |

| | | | |
|-------|-----|------|-----|
| 宋登春 | 159 | 王 镛 | 167 |
| 鵝池生 | 159 | 染香庵主 | 167 |
| 岳 岱 | 160 | 王廉州 | 167 |
| 秦余山人 | 160 | 龚 贤 | 168 |
| 牛舜耕 | 160 | 半 千 | 168 |
| 一瓢道人 | 161 | 半 亩 | 168 |
| 赵 左 | 161 | 扫叶楼 | 168 |
| 赵秋草 | 161 | 傅 山 | 169 |
| 王思任 | 161 | 石道人 | 169 |
| 譙 庵 | 161 | 朱衣道人 | 169 |
| 张 丑 | 162 | 松 侨 | 170 |
| 米 庵 | 162 | 虹 巢 | 170 |
| 羽 瑞 | 162 | 霜红龛 | 170 |
| 素 兰 | 162 | 邵 弥 | 171 |
| 张 维 | 162 | 瓜畴老人 | 171 |
| 西冷寓客 | 162 | 程正揆 | 171 |
| 孙奇逢 | 163 | 青溪道人 | 172 |
| 夏 峰 | 163 | 周亮工 | 172 |
| 黄道周 | 163 | 栎 园 | 172 |
| 石斋先生 | 163 | 顾炎武 | 172 |
| 王时敏 | 164 | 亭 林 | 173 |
| 西 田 | 164 | 查士标 | 173 |
| 乐郊园 | 164 | 后乙卯生 | 173 |
| 陈洪绶 | 165 | 樊 斻 | 173 |
| 老 莲 | 165 | 洽 公 | 173 |
| 悔 迟 | 165 | 柳 隐 | 174 |
| 九品莲台主 | 166 | 影 怜 | 174 |

| | | | |
|----------|-----|------|-----|
| 隐 委 | 174 | 靖江后人 | 185 |
| 河东君 | 175 | 徐乾学 | 186 |
| 蔚 芜 | 175 | 传是楼 | 186 |
| 云 娟 | 175 | 王 武 | 186 |
| 戴本孝 | 177 | 忘 庵 | 187 |
| 鹰阿山樵 | 178 | 王 翠 | 187 |
| 长真瑞秀洞天樵夫 | 178 | 清晖主人 | 187 |
| 夺砚庵 | 178 | 吴 历 | 187 |
| 毛奇龄 | 178 | 墨井道人 | 187 |
| 西 河 | 178 | 宋 萍 | 188 |
| 朱 奋 | 179 | 西 陂 | 188 |
| 八大山人 | 179 | 刘体仁 | 188 |
| 雪 个 | 180 | 七颂堂 | 189 |
| 个 山 | 180 | 王原祁 | 189 |
| 驴 | 181 | 石师道人 | 189 |
| 拾 得 | 181 | 曹 寅 | 189 |
| 八 还 | 181 | 棟 亭 | 189 |
| 黍 居 | 181 | 何 煊 | 189 |
| 蝦組篇軒 | 182 | 义 门 | 190 |
| 黃竹园 | 182 | 赵执信 | 190 |
| 驴屋人屋 | 182 | 秋 谷 | 190 |
| 寤歌草堂 | 182 | 饴 山 | 191 |
| 石 涛 | 183 | 抱膝居士 | 191 |
| 清湘老人 | 183 | 因 园 | 191 |
| 支下人 | 184 | 文 昭 | 192 |
| 苦瓜和尚 | 184 | 北柴山人 | 192 |
| 大涤子 | 185 | 蒋 深 | 193 |
| 瞎尊者 | 185 | | |

| | | | |
|--------|-----|------|-----|
| 绣 谷 | 193 | 寿 门 | 199 |
| 李覲曾 | 193 | 稽留山民 | 200 |
| 墨霞堂 | 193 | 耻春亭翁 | 200 |
| 华 岳 | 193 | 黄 慎 | 200 |
| 新罗山人 | 194 | 江夏盛 | 200 |
| 白沙山人 | 194 | 慎 | 200 |
| 岩穴之士 | 194 | 恭 寿 | 201 |
| 东园生 | 194 | 瘦 飘 | 201 |
| 枝 隐 | 194 | 蛟湖草堂 | 201 |
| 离垢居士 | 194 | 高 翔 | 201 |
| 解弢馆 | 194 | 五岳草堂 | 202 |
| 丁有煜 | 195 | 潘可藻 | 202 |
| 个道人 | 195 | 懒 庵 | 202 |
| 高凤翰 | 195 | 郑 变 | 202 |
| 南 阜 | 196 | 变 | 203 |
| 后尚左生 | 196 | 板 桥 | 203 |
| 归云和尚 | 196 | 樗 散 | 203 |
| 边寿民 | 197 | 六分半书 | 203 |
| 苇间书屋 | 197 | 雪浪斋 | 203 |
| 李 蝉 | 197 | 橄榄轩 | 204 |
| 浮沤馆 | 198 | 四凤楼 | 204 |
| 汪士慎 | 198 | 拥绿园 | 204 |
| 天都寄客 | 198 | 李方膺 | 205 |
| 左盲生 | 198 | 借园主人 | 205 |
| 青杉书屋 | 198 | 梅花楼 | 205 |
| 金 农 | 199 | 丁 敬 | 205 |
| 冬心先生 | 199 | 龙红居士 | 206 |
| 百二砚田富翁 | 199 | 苔华老屋 | 206 |